ऑडियो विडियो रिकॉर्डिंग एवं कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नः- 02
ट्रैक नः- 200MD0 24
ट्रैक समयावधिः- 57:50
कलाकार का नामः- लाले खाँ
पिता का नामः- निब्बे खाँ
पताः- गाँव- फूलासर

सहायक कलाकारः-
विडियो रिकोर्डिंग समयः-
विषयः- कथा (अकबर- बीरबल)
विशेष विवरणः-
दिनांकः-15/06/2021
स्थानः- फूलासर
गायन। वादन

टिप्पणि:- यह कथा 'अकबर बादशाह' नाम से प्रचलित और [redacted] कथा इस आधार पर है कि बीरबल सबसे पहले अकबर कैसे मिला और इसमे कुछ अकबर और बीरबल के भेंट भी है

कथा में अकबर के दरबार में सभी ज्ञानी लोग बैठे है प्रजा भी बैठी है तथा अकबर बादशाह सभी कहता है कि मेरा मोल बताओं नहीं तो मैं सभी कवीयों को अपने दरबार से निकाल दूँगा। इस तरहा उन सभी कवीयों में से कोई भी बादशाह का मोल नही बता पाते है तो वे कुछ दिन की मोहलत मांगते है। और वे सभी अलग- अलग गाँवो जाकर पूछते कोई भी यह नहीं बता पाते तथा वे घूमते- घूमते बीरबल के [redacted] गाँव में जाते है। बीरबल लड़कपन अवस्था में बकरिया चरा रहा होता है तो बीरबल उन से पुछता है तो वे बताते है कि बादशाह ने जिद्द पकड़ ली कि या तो मेरा मोल बताओ या मेरे दरबार से निकल जाओ अब बाद बादशाह का मोल कौन बताए। तथा बीरबल उनसे कहता है कि मैं बादशाह का मोल बता दूँगा। इस प्रकार वे बीरबल को अपने साथ दिल्ली ले जाते है। दूसरे दिन अकबर के दरबार में सारी प्रजा और कवी उपास्थित होते है। बीरबल बाजार में से एक चिरमी लेकर दरबार में उपस्थित होता है और आकर अपने स्थान बैठता है। सारी प्रजा और कवी सभी अपना सिर झुकाए बैठे है और बीरबल बोलता है कि दरबार [redacted] हुम्म आपका मोल इस चिरमी के दाने जितना है क्योंकि आपमें इस दाने जितनी अक्ल है तभी तो आप बादशाह हो और इस अक्ल के बिना आदमी का कुछ भी मोल नहीं है यह सुनकर बादशाह अकबर बीरबल की प्रसंसा करता और वहां बैठे सभी लोग तालियाँ बजाने लगते है। तभी से बादशाह अकबर बीरबल को अपने दरबार में रख लेते है। इस प्रकार बीरबल अकबर के दरबार में ही रहता है। बीरबल अकबर राजकाज में बड़ा होता है वह अक्ल का वीर तो होता ही है तथा अकबर के दरबार में वह अनेक बड़े- बड़े कवियों से मिलता है तो उसकी बुद्धि का विस्तार होता

होता जाता है। अब बादशाह की हर बात को बीरबल ही पूरा करता है। एक दिन बादशाह बीरबल से पूछता है कि "जात की कू जात" "कू जात की जात" "गाँवारगँडकड़ा" "गाधी का गधा" इसका तात्पर्य क्या है तथा बीरबल राजा से कुछ दिनों की मोहलत माँगता है और कुछ दिन अपने गाँव चला जाता है। कुछ दिन बाद उसी शहर में एक मकान किराए लेकर रहता है तो एक ब्राहमण की लड़की और बीरबल के बीच मुलाकात हो जाती है और दोनों शादी करके वही रहने लगते है। शादी को कुछ दिन बीत जाते है। बीरबल कहीं भी बहार जाते है तो रास्ते में एक वैसया का घर है तथा जब भी बीरबल वहा से गुजरता है तो कुछ समय उस वैसया से बात जरूर करता है और वैसया को बीरबल से मुलाकात हो जाती है। अब बीरबल को राजा के सवाल पूरे करने है। एक दिन बादशाह का लड़का तालीम के लिए जा रहा होता है तो बीरबल उसे बुलाता है और किसी कमरे में लेजाकर बिठा देता है और दो पहरेदार लगा देता है कि सहजादा कुछ भी मांगे उसे अता की जाए। बीरबल स्वयं एक तरबूज लेकर आता है उसे काटकर ऊपर कपड़ा डालकर अपनी पत्नी के पास जाता है और कहता है कि मैंने बादशाह के लड़के को मार डाला और बात तुम किसीसे मत कहना लेकिन वहा औरत बादशाह से जाकर कह देती है तथा बादशाह अपने आदमियों हुक्म देता है जो भी आदमी है उसे फांसी पर चढ़ा दो। बादशाह के आदमी बीरबल को पकड़ लेते और फांसी की तैयारी करने लगते है तो बीरबल से आखरी ख्वाईश पूछीजाती है तो वहा कहता है मुझे सिर्फ एक बार इस शहर की वैसया बात करवा दो तथा इस वैसया को वहां बुलाया जाता है तो वह वहां आकर पूछती कि क्या बात है तो वे कहते है कि इस आदमी ने बादशाह के लड़के को मार दिया और अब इसे फांसी की सजा होगी यह सुनकर वहा कहती है कि राजकुमार की लाश कहा है। यह सुनकर सभी शान्त

हो जाते हैं क्योंकि लास की किसी को पता भी नहीं होता है और कोई पूछता भी नहीं है। थोड़ी देर में वे पेहरेदार बादशाह के लड़के को छोड़ देते हैं और वह खेलता-खेलता वहीं आ जाता है तो बादशाह बहुत खुश होता है तभी बीरबल बादशाह से कहता पुछा था 'कू जात की जात" तो यह वैसय कुजात है फिर भी इसने मुझे बचाया तो यह कू जात है फिर भी जात है। मेरी और उच्च जाति की है लेकिन मेरी सिकायत बिना सोचे समझे आकर कर दी तो यह जात भी कुजात है। गली के गंडकड़े ये आपके सैनिक है। जिन्होंने बिना सबूतो के मुझे फांसी दे रहे थे। और गाधी के गधे आप हो। जिसने ना तो राजकुमार ढूंढा ना जाँच पड़ताल करवाई सीधा फैसल ही लिय यह सुनकर बादशाह बीरबल को दाब देता है और कहता है कि वास्तव में आपने मेरे सवाल का जवाब दे दिया।